कौशल उड़ान

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

वसुधैव कुटुम्बकम्

अनुक्रमणिका

1.संदेश

(क) क्षेत्रीय निदेशक

(ख) प्राचार्य

(ग) संपादक हिंदी अधिकारी

2.प्रस्तावना

(क) निदेशालय

(ख) संस्थान

3.छात्रावास

4.विभाग एवं पाठ्यक्रम

(क) शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना

(ख) शिल्पकार प्रशिक्षण योजना

(ग) एडवांस डिप्लोमा

5.उपलब्धियाँ

(क) सफलता की कहानियाँ

(ख) औद्योगिक संबद्धता

6.रचनाएँ

(क) तकनीकी लेख

(ख) कविता

7.गतिविधियाँ

(क) संस्थान झाँकी (मॉडल)

(ख) वृक्षारोपण

(ग) हिंदी पखवाड़ा

(घ) स्वच्छ भारत अभियान

(ड़) योग दिवस

(च) खेल

(छ) G20 के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता

(ज) उद्यमिता विकास कार्यक्रम

(झ) औदद्योगिक दौरा

(ञ) प्लेसमेंटड्राइव

संदेश...

क्षेत्रीय निदेशक –

श्री रवि चिलुकोटी
क्षेत्रीय निदेशक, आर.डी.एस.डी.ई. उत्तराखंड

यह संस्थान देश भर में कौशल विकास के सभी प्रयासों का समन्वय करने, कुशल जनशक्ति की मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को दूर करने, व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण ढांचे का निर्माण करने, कौशल उन्नयन करने, न केवल मौजूदा नौकरियों के लिए, बल्कि सृजित की जाने वाली नौकरियों के लिए भी नए कौशलों और नवीन सोच का निर्माण करने के लिए उत्तरदायी है।

संस्थान का उद्देश्य 'कुशल भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए गति और उच्च मानकों के साथ बड़े पैमाने पर कुशल बनाना है।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एन.एस.टी.आई.), देहरादून सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। भारत के उद्योगों के कुशल प्रशिक्षण की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए यह संस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क मेंटीनेंस (सी.एच.एन.एम.), कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन (सी.एस.ए.) और इलेक्ट्रीशियन का उच्च गुणवत्ता और दक्षता का प्रभावकारी प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

प्राचार्य की कलम से...

श्री ज्ञान प्रकाश चौरसिया
उप निदेशक/कार्यालयाध्यक्ष रा.कौ.प्र.सं.
देहरादून

उत्कृष्टता, समानता और समावेशिता संस्थान के संस्थापक सिद्धांत हैं। यह उत्कृष्ट संस्थान प्रशिक्षण महानिदेशालय से मान्यता प्राप्त देश के उत्कृष्ट संस्थानों में से हैं, जो देश में एक शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में संस्थान समुदाय के समर्पण का प्रमाण है। संस्थान शिक्षा पद्धति किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं को समान रूप से विकसित करने की आवश्यकता से प्रभावित है। तद्नुसार, अपने प्रशिक्षणार्थियों में हम कक्षा में और उसके बाहर सत्यनिष्ठा और प्रतिबद्धता के मूल्यों को विकसित करने का प्रयास करते हैं।

एक संस्था के तौर पर हम उत्कृष्ट सुविधाएँ प्रदान कर रहे हैं। तकनीकी प्रशिक्षण क्षेत्र के विषयों में हम उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरे हैं। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून कौशल भारत के मिशन के तत्वाधान में हमारे प्रशिक्षणार्थी, निकाय का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के साथ-साथ वे राष्ट्रीय दायित्व पूर्ण के लिए कौशल प्रशिक्षण में लगे हुए है। संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और शैक्षणिक वातावरण में अपनी उच्च सोच, तर्क लेखन और कौशल क्षमताओं को विकसित करने का अवसर दिया जाता है। हम अपने कौशल विकास प्रकोष्ठ के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों को अनुदेशक प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

हमारे संस्थान का उद्देश्य, ऐसे युवा कौशल शक्ति को तैयार करना है जो अपने वातावरण के साथ तालमेल बैठाकर सामाजिक परिवेश के प्रति संवेदनशील, अनुशासित और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हो सकें। एक संस्थान के रूप में, हम अनुशासन पर आधारित ज्ञान, कौशल, व्यवहार और समानुभूति के साथ सफलता पर जोर देना साथ ही यह सुनिश्चित करना कि ज्ञान, कौशल के साथ उज्जवल भविष्य की तरफ प्रशिक्षणार्थियों की यात्रा तेज और आनंद से परिपूर्ण हो।

संपादक हिंदी अधिकारी

सम्मानित पाठकों....

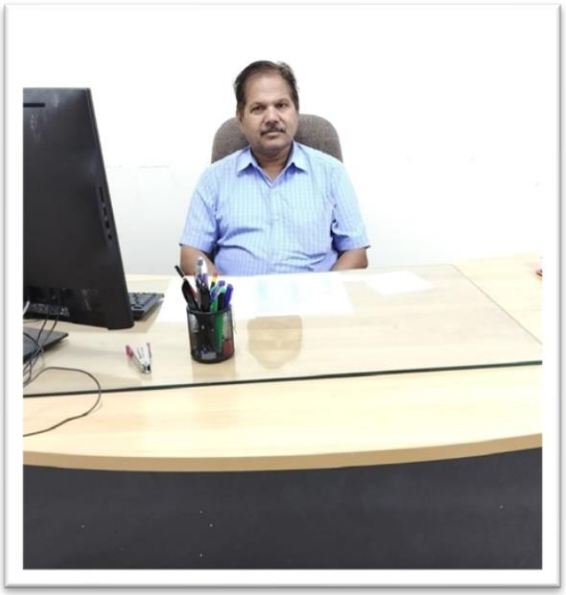

भाषा हमारे दैनिक जीवन के हर एक पहलू और विचारों के आदान-प्रदान के लिए अत्यावश्यक माध्यम है। भाषा हमारे विचारों एवं भावनाओं के अतिरिक्त समाज के मूल बोध को ही अभिव्यक्त नहीं करती बल्कि समाज के बुनियादी परिचय को भी अभिव्यक्त करती है। आज हिंदी अधिकांश भारतीयों के अभिव्यक्ति का माध्यम है। देश-वासियों की आत्म अभिव्यक्ति हिंदी के माध्यम से ही पूर्ण होती है। इसीलिए भारत वर्ष में हिंदी का अपना अलग ही महत्त्व है।

श्री नरेश कुमार
हिंदी अधिकारी, रा.कौ.प्र.सं. देहरादून

हमें हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं सुचारु कार्यान्वयन की दिशा में प्रतिज्ञाबद्ध होकर अग्रसर होना है। मेरा पूर्ण विश्वास है कि 'कौशल उड़ान' पत्रिका, कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों में हिंदी के प्रति अधिकाधिक रुचि उत्पन्न करने में बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। इससे सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को अपनी भावनाओं को हिंदी में अभिव्यक्त कर पाने का सुअवसर प्राप्त होगा और कार्यालयीन काम काज को हिंदी में करने की दिशा में उन्हें नवीन ताजगी और उत्साह प्राप्त होगा। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए 'राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून' की पत्रिका का यह 'प्रथम अंक' कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के अन्तर्गत पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है।

यह मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि मेरे कार्यकाल में 'कौशल उड़ान' प्रथम ई-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पत्रिका निरंतर चेतनामयी एवं सार्थक बनी रहे, इसके लिए हमें पाठकों के सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी ताकि हम आपकी रुचि एवं अपेक्षाओं के अनुरूप इसकी प्रकाशन यात्रा को जारी रख सकें।

धन्यवाद

सुझावों की अपेक्षा में....

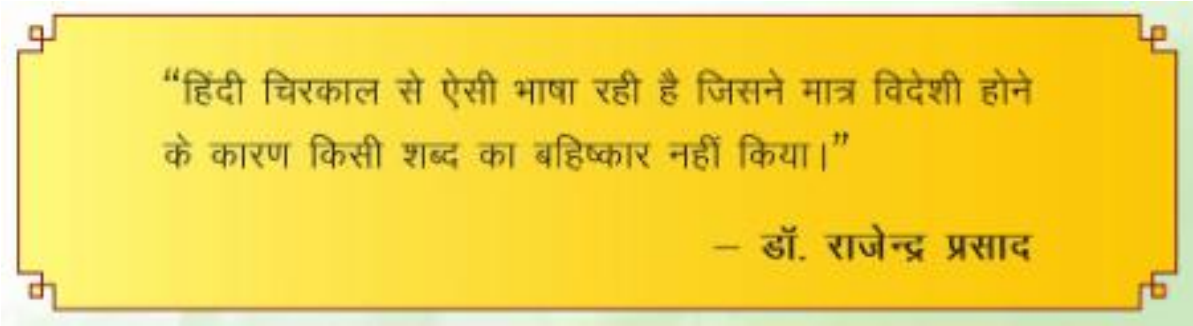

निदेशालय

व्यवसायिक प्रशिक्षण, जिसमें महिलाओं का व्यावसायिक प्रशिक्षण भी शामिल है, से सम्बंधित कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विकास तथा समन्वय हेतु कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डी.जी.टी.) एक शीर्षस्थ संगठन है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राज्य सरकारों या संघराज्य क्षेत्रों के प्रशासनों के प्रशासनिक तथा वित्तीय नियंत्रणाधीन हैं। डी.जी.टी. भी अपने सीधे नियंत्रण में क्षेत्रीय संस्थानों के माध्यम से कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण योजनाएं संचालित करता है। राष्ट्रीय स्तर पर इन कार्यक्रमों का विस्तार करने की जिम्मेदारी विशेषतः सामान्य नीतियों, सामान्य मानक तथा प्रक्रियाओं, अनुदेशकों के प्रशिक्षण तथा व्यवसाय परीक्षण संबंधी क्षेत्र में, डी.जी.टी. की है। परन्तु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की दैनिक व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकारो/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनो की है।

डी.जी.टी. के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:

- व्यवसायिक प्रशिक्षण हेतु समग्र नीतियां, मानदंड तथा मानक तैयार करना।
- शिल्पकारों तथा शिल्प अनुदेशकों के मामले में प्रशिक्षण के प्रशिक्षण सुविधाओं में विविधता लाना, उन्हें अद्यतन करना तथा उनका विस्तार करना।
- विशेष रूप से स्थापित प्रशिक्षण संस्थानों पर विशिष्ट प्रशिक्षण तथा अनुसंधान की व्यवस्था तथा आयोजन करना।
- शिक्षुता अधिनियम 1961 के अंतर्गत शिक्षुओं के प्रशिक्षण का पैमाना लागू करना उसका नियमन तथा विस्तार करना।
- महिलाओं के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- व्यवसायिक मार्गदर्शन तथा रोजगार परामर्श प्रदान करना।
- अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा दिव्यांगों की वेतन रोजगार तथा स्व रोजगार हेतु सामर्थ्य बढ़ाने में सहायता करना।

कुशल शिल्पकारों के प्रशिक्षण के लिए **शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सी.टी.एस.)** सरकारी तथा निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आइज), के माध्यम से चलायी जाती है। जो राज्य सरकारों अथवा संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के प्रशासनिक तथा वित्तीय नियंत्रणाधीन हैं। इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की अवधि 6 महिने से 2 वर्ष तक भिन्न-भिन्न है, एन.एस.क्यू.एफ. की 138 व्यवसायों में पाठ्यक्रमों की अनुपालना है जिनमें 74 इंजीनियरिंग व्यावसाय, 59 गैर-इंजीनियरिंग क्षेत्र के व्यवसाय हैं तथा पांच पाठ्यक्रम विकलांगों (पी.डब्ल्यू.डी.)/दिव्यांगों के लिए हैं। इस समय 14,491 आई.टी.आइज (सरकारी तथा निजी दोनों) में 23.15 लाख व्यक्ति प्रशिक्षण ले रहे हैं।

आई.टी.आई. प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कौशल की पूर्णता के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (ए.टी.एस.) के माध्यम से कार्यस्थल पर प्रशिक्षण के रूप में भी व्यवस्था उपलब्ध है। इस योजना के प्रधान उद्देश्यों में एक उद्देश्य उद्योग में – जहां वास्तव में शिक्षुता प्रशिक्षण दिया जाता है, उपलब्ध अवसंरचनात्मक सुविधाओं का इष्टतम उपयोग भी है जिससे उद्योग की कुशल जनशक्ति की मांग पूरी होती है।

शिल्पकार अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सी.आई.टी.एस.) के अंतर्गत व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के अनुदेशक/प्रशिक्षक बनने के इच्छुक व्यक्तियों को कौशल तथा प्रशिक्षण प्रणाली दोनों में एक व्यापक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके पीछे दृष्टिकोण यें है कि उनके कौशल तथा क्षमताओं को विकसित कर उन्हें अपने छात्रों को अद्यतन कौशल अन्तरित करने की तकनीक से अवगत कराया जाए। यह योजना देशभर में 33 स्थानों पर स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एन.एस.टी.आइज) के माध्यम से चलाई जाती है।

इसके अतिरिक्त, उद्योग सम्बन्ध सुदृढ़ बनाने तथा उद्योग संगत प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण महानिदेशालय ने दोहरी प्रणाली प्रशिक्षण (डी.एस.टी.) शुरू की है जो एक ऐसा मॉडल है जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को उनके प्रशिक्षण के दौरान अनिवार्य औद्योगिक ज्ञान मुहैय्या कराने के लिए आई.टी.आइज को बहु-उद्योग भागीदारों के साथ सम्पर्क साधने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अतः उनके कौशल प्रशिक्षण का कुछ हिस्सा औद्योगिक माहौल में सम्पन्न होता है। परम्परागत, उद्योग संगत प्रशिक्षण तथा उद्योग परिसरों में ही सम्पूर्ण प्रशिक्षण दिए जाने वाले फ्लेक्सी-एम.ओयू. मॉडल की भी शुरूआत की गयी है ताकि तैयार कौशलन कार्यक्रमों के सृजन की गुंजाइश रहे।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान**,** देहरादून की स्थापना **1982** में तत्कालीन रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजी&टी), श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में उत्तरी भारत में उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के मुख्य उद्देश्य से की गई थी।

वर्तमान में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान**,** देहरादून**,** कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अधीन व्यवसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और उद्यमिता पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

इस संस्थान को इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्क मेंटीनेन्स (सी.एच.एन.एम.) एवं कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन (सी.एस.ए.) जैसे चार ट्रेडों में क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर ट्रेनिंग स्कीम (सी.आई.टी.एस.) के तहत हमारे देश के विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अनुदेशकों की भारी मांग को पूरा करने के लिए व्यवस्थित रूप से प्रशिक्षित क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर तैयार करने का मिशन सौंपा गया है। संस्थान स्नातक बी.टेक, एम.एस.सी.(इलेक्ट्रॉनिक्स), बी.एस.सी. (आई.टी), एम.एस.सी.(आई.टी.) और डिप्लोमा छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन/व्यवहारिक/औद्योगिक प्रशिक्षण भी समय-समय पर आयोजित करता है।

वर्तमान में संस्थान द्वारा शिल्प प्रशिक्षण योजना (सी.टी.एस.) के अंतर्गत .....सोलर तकनीशियन (इलेक्ट्रीकल) ट्रेड में प्रशिक्षण कार्यक्रम डी.जी.टी. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर संचालित किया जा रहा है। आई.बी.एम. कम्पनी के सहयोग से आई.टी. नेटवर्किंग और क्लाउड कम्प्यूटिंग में द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम वर्ष 2019 में प्रारम्भ किया गया। अतः प्रशिक्षण की गुणवत्ता और आधुनिकीकरण की मांग को पूरा करने के लिए संस्थान की प्रशिक्षण क्षमता में उन्नयन के प्रयास लगातार किए जा रहे है जिससे वर्तमान प्रशिक्षण प्रणाली को गतिशीलता और सुदृढ़ता प्रदान करके चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए समक्ष बनाया जा सके जो आकांक्षी वर्ग की प्रशिक्षण आकांक्षाओं को पूरा करने में सफल हो।

इस संस्थान की क्षेत्र सीमा **16.95** एकड़ है। इसमें से **16.45** एकड़ भूमि पर प्रशासनिक अनुभाग, प्रशिक्षण अनुभाग, पुरूष/महिला छात्रावास, कार्मिक आवास, विद्युत सब स्टेशन, पम्प हाउस, अण्डर वाटर टैंक, ओपन जिम, पार्क, लीची का बगीचा व सड़क आदि बनाए गये हैं। उद्योगों

में प्रचलित नवीनतम प्रौद्योगिकी केन्द्रित आधुनिक उपकरण, औजार तथा मशीनें, सभी शिक्षण सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं की अभिकल्पना व रुपरेखा को वर्तमान व भविष्य की प्रशिक्षण संभावनाओं का अवलोकन करके आरेखित किया गया है। संस्थान में मैस और छात्रावास की सुविधा भी आधुनिक स्तर के समरूप है।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान देहरादून, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून में स्वच्छ पर्यावरण युक्त परिवेश स्थित है। यह संस्थान जौलीग्रांट एयरपोर्ट, देहरादून से लगभग 25 किलोमीटर, देहरादून रेलवे स्टेशन से 5 किलोमीटर तथा अन्तराज्जीय बस अड्डे से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। निकटतम प्रसिद्ध स्थान मेन सब्जी मण्डी है। रेलवे स्टेशन व आई.एस.बी.टी. बस स्टैंड से ग्रीन पार्क तक ऑटो/रूट न० 5 के विक्रम या नगर बस सेवा/ऑटो आदि से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान देहरादून में एसी क्लास रूम, नवीनतम ऑडियो-विजुअल एड्स उपकरण हैं। यह संस्थान हिमालय की गोद में पर्यावरण अनुकूल वातावरण में स्थित है।

तकनीकी क्षेत्र में युवा पीढ़ी के सुनहरे भविष्य की संभावनाओं के निर्माण हेतु शिक्षाविदों और उद्योगों के दक्षता प्राप्ति की अवधारणा को एकीकृत करके उच्च गुणवत्ता एवं उत्पादकता युक्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों के कार्य बल पूर्ति के लिए विश्व स्तरीय अनुदेशकों का निर्माण करके औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की प्रशिक्षण प्रक्रिया में सुधार और अघतन की प्राप्ति हेतु कौशल की श्रृंखला को नियमित रूप से प्रखर करते रहना महत्वपूर्ण उद्देश्यों मे से है।

गुणवत्ता नीति: उत्कृष्ट मानक के अनुसार तथा मांग अनुरूप निर्मित प्रशिक्षण प्रदान करके हित धारकों की इच्छा पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम संस्थान और उद्योगों के मध्य एक स्वरुप, समन्वय व सहयोग पूर्ण परिवेश निर्मित करके सीखने की प्रक्रिया के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता का उत्पाद बनाने की कोशिश करेंगे।

महिला छात्रावास

महिला छात्रावास में मिलने वाली सुविधाएँ:-

1. भोजनालय:- छात्रावास में लगभग 300 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों के लिए भोजनालय की सुविधा उपलब्ध है। एक बार में 100 प्रशिक्षणार्थियों के बैठने की सुविधा उपलब्ध है। भोजनालय में वाटर रेफ्रिजरेटर लगा हुआ है, जिससे सभी को शीतल जल मिलता है।
2. दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुविधा:- दिव्यांगजनों के लिए व्हील चेयर्स की सुविधा तथा छात्रावास के प्रत्येक कमरे में कम ऊँचाई वाले बेड उपलब्ध है।
3. अतिथि कक्ष:- छात्रावास में अतिथियों के लिए चार कमरा उपलब्ध है तथा प्रत्येक कमरे में चार बेड के साथ अन्य कई सुविधा उपलब्ध है।
4. सौर ऊर्जा से पानी गर्म करने की व्यवस्था:- हमारे छात्रावास में यह सबसे प्रमुख सुविधाओं में से एक है। इससे सर्दियों के मौसम में 24x7 गर्म पानी मिल पाता है। प्रत्येक स्नानघर में इसकी सुविधा उपलब्ध है। इसके माध्यम से लगभग 6000 ली. पानी प्रतिदिन गर्म किया जाता है।
5. स्टोर रूम:- हमारे छात्रावास में एक स्टोर रूम है। स्टोर रूम में खेल सामग्री जैसे वॉलीबॉल, फुटबॉल आदि खेल से संबन्धित सामग्री का संग्रह उपलब्ध है।
6. क्रीडा क्षेत्र:- छात्रावास परिसर में 2 बैडमिंटन कोर्ट, एक वॉली बॉल कोर्ट और एक बास्केटबॉल का कोर्ट है। साथ ही दौड़ हेतु लगभग 1000 मी. लम्बी ट्रैक भी उपलब्ध है।
7. सौर ऊर्जा से बिजली की सुविधा:- छात्रावास तथा अन्य परिसर के लिए 750 KW का सौर ऊर्जा का बिजली केन्द्र लगा हुआ है जो पूरे छात्रावास को 24x7 बिजली की सुविधा उपलब्ध कराता है।
8. अध्ययन कक्ष:- छात्रावास में एक अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जहां छात्राओं के लिए 24x7 पढ़ाई के लिए सुविधा उपलब्ध रहती है।
9. व्यायामशाला:- प्रशिक्षणार्थियों के लिए खुले मैदान परिसर में व्यायाम करने की भी सुविधा उपलब्ध है।

10. सी.सी.टी.वी. की सुविधा:- पूरे छात्रावास परिसर में जगह-जगह सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए गए है, जिससे किसी भी आकस्मिक घटना का पता लगाया जा सकता है।

पुरुष छात्रावास

पुरुष छात्रावास में मिलने वाली सुविधायें:-

1. फिल्टर्ड वाटर:- पीने के शुद्ध पानी के लिए हॉस्टल के प्रत्येक फ्लोर पर आर.ओ. लगा है जिसमे सामान्य तथा ठंडा पानी की सुविधा है। सर्दियों में गर्म पानी के लिये अलग से व्यवस्था की जाती है।

2. भोजनालय:- सभी हॉस्टलर्स के लिए मैस की सुविधा दी गयी है जहाँ सुबह ब्रेकफास्ट, दोपहर में लंच तथा शाम को चाय, रात को डिनर की सुविधा की गयी है।

3. कमरे की सुविधायें:- हॉस्टल में 4 फ्लोर जिसमे प्रत्येक फ्लोर पर 20 यानी कुल 80 कमरों की व्यवस्था है। प्रत्येक रूम को पर्सनली 3 वर्गाकार भागों में बाँटा गया है। तथा प्रत्येक 3 छात्र के लिए 3 अलमारी की व्यवस्था है। इसके साथ ही 3 बेड, गद्दा, टेबल कुर्सी का प्रबंध किया गया है।

4. कमरे में विद्युत् सुविधा:- प्रत्येक कमरे में एक ट्यूब लाइट, फिलिप्स लैंप, (खास तौर पर पढ़ने के लिये), पंखे, यू.एस.बी. (2100 mA) का पोर्ट है। 3 स्विच बोर्ड भी है।

5. कपड़ा सुखाने की सुविधा:- कपडे सुखाने के लिये अलग से सुविधा की गई है।

6. साफ़-सफाई:- प्रतिदिन सफाईकर्मी द्वारा बाथरूम, वाशरूम तथा कॉरिडोर को अच्छे से साफ किया जाता है।

- प्रत्येक फ्लोर पर 4 डस्टबिन रखे गये हैं और बाथरूम के लिए 1 मिनी डस्टबिन की सुविधा की गयी है।

7. स्नानघर :- प्रत्येक एक फ्लोर में कंबाइंड बाथरूम, चार नहाने का कक्ष है तथा चार वाशरूम है और 8 हैंड वाश है। जिनके साथ दर्पण की भी सुविधा है।

8. दिव्यांग स्नानघर तथा शौचालय:- प्रत्येक फ्लोर पर दिव्यांग व्यक्ति के लिए दो स्नानघर की व्यवस्था है।

9. अतिथि कक्ष:- छात्रावास में अतिथियों के लिए चार कमरे उपलब्ध है तथा प्रत्येक कमरे में 4 बेड के साथ अन्य कई सुविधा उपलब्ध है।

10. सौर ऊर्जा से पानी गर्म करने की व्यवस्था:- छात्रावास में यह सबसे प्रमुख सुविधाओं में से एक है। इससे सर्दियों के मौसम में 24x7 गर्म पानी मिल पाता है। प्रत्येक स्नानघर में इसकी सुविधा उपलब्ध है। इसके माध्यम से प्रतिदिन 6000 ली. पानी गर्म किया जाता है।

11. सौर ऊर्जा से बिजली की सुविधा:- छात्रावास तथा अन्य परिसर के लिए 750 KW का सौर ऊर्जा का बिजली केन्द्र लगा हुआ है जो पूरे छात्रावास को 24x7 बिजली की सुविधा उपलब्ध कराता है।

12. अध्ययन कक्ष:- छात्रावास में एक अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जहा छात्रों के लिए 24x7 पढ़ाई के लिए सुविधा उपलब्ध है।

13.व्यायामशाला:- बच्चों के लिए खुले मैदान परिसर में व्यायाम करने की भी सुविधा उपलब्ध है।

14. सी.सी.टी.वी. की सुविधा:- पूरे छात्रावास परिसर में जगह-जगह सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए गए है, जिससे किसी भी आकस्मिक घटना का पता लगाया जा सकता है।

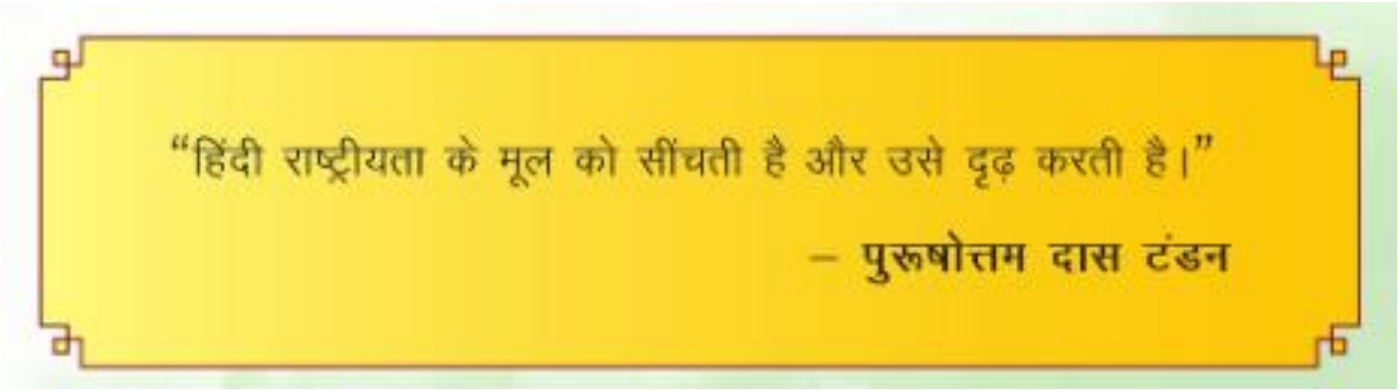

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून में प्रशिक्षण कार्यक्रम

दीर्घकालिक नियमित पाठ्यक्रम

✓शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सी.टी.एस.)

सोलर टेक्निशियन (इलेक्ट्रिकल) **कुल सीटें: 20**

प्रवेश योग्यता: कक्षा 10वी विज्ञान और गणित के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष

पाठ्यक्रम संबंधी जानकारी:

सोलर टेक्निशियन (इलेक्ट्रिकल) ट्रेड की 'एक वर्ष' की अवधि के दौरान, प्रशिक्षणार्थी को जॉब रोल से संबंधित प्रोफेशनल स्किल्स, प्रोफेशनल नॉलेज और एम्प्लॉयबिलिटी स्किल में प्रशिक्षित किया जाता है।

✓शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (सी.आई.टी.एस.)

1. कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग मेंटेनन्स (एनएसक्यूएफ स्तर 6)

कुल सीटें: 50 (दो इकाइयाँ 25 प्रत्येक)

प्रवेश योग्यता:

मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय या नाइलिट "बी" से कंप्यूटर विज्ञान/आईटी/ इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखाओं में डिग्री।

या

मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान/आई.टी./इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखाओं में डिप्लोमा।

या

सी.एच.एन.एम. या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र।

या

सी.एच.एन.एम. या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाणपत्र।

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन (एनएसक्यूएफ स्तर 6)

कुल सीटें: 100 (चार इकाइयाँ 25 प्रत्येक)

प्रवेश योग्यता:

कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी में डिग्री या एम.सी.ए./एम.एस.सी.(कंप्यूटर विज्ञान कंप्यूटर/सूचना प्रौद्योगिकी)/नाइलिट "बी" या मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से समकक्ष।

या

कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या बीसीए/बीएससी(कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी) या मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से समकक्ष।

या

सी.ओ.पी.ए.(कोपा) या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाण पत्र।

या

सी.ओ.पी.ए.(कोपा) या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण पत्र।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक (एनएसक्यूएफ स्तर 6)

कुल सीटें: 50 (दो इकाइयाँ 25 प्रत्येक)

प्रवेश योग्यता:

मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखा में डिग्री।

या

मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखा में तीन वर्षीय डिप्लोमा।

या

इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाण पत्र।

या

इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण पत्र।

इलेक्ट्रीशियन (एनएसक्यूएफ स्तर 6)

कुल सीटें: 100 (चार इकाइयाँ 25 प्रत्येक)

प्रवेश योग्यता:

मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखाओं में डिग्री।

या

मान्यता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज/विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की उपयुक्त शाखाओं में डिप्लोमा।

या

इलेक्ट्रीशियन या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय व्यापार प्रमाण पत्र।

या

इलेक्ट्रीशियन या संबंधित ट्रेडों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण पत्र।

✓आई.टी. में उन्नत डिप्लोमा - नेटवर्किंग और क्लाउडकंप्यूटिंग (**ADIT)**

आईटी, नेटवर्किंग और क्लाउड में एडवांस्ड डिप्लोमा

कुल सीटें: 30

<u>पात्रता योग्यता-</u>

किसी एक वर्ष के एन.टी.सी.(एन.सी.वी.टी. प्रमाण-पत्र) के साथ दसवीं/बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण या न्यूनतम 60% अंकों के साथ दो वर्षीय ट्रेड/प्रथम श्रेणी NSTI/ITI में CTS करने वाले उम्मीदवार, जो अपनी अंतिम परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं या उपस्थित हुए हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते उन्होंने अपने CTS ट्रेड में न्यूनतम 60% अंक प्राप्त किए हों। न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त न करने की स्थिति में उन्हें पाठ्यक्रम जारी रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

या

बारहवीं कक्षा न्यूनतम 60% अंकों/प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण।

या

मान्यता प्राप्त बोर्ड से तीन वर्षीय डिप्लोमा के साथ दसवीं पास और न्यूनतम 60% अंक/डिप्लोमा में प्रथम श्रेणी।

या

न्यूनतम 60% अंकों/प्रथम श्रेणी के साथ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कोई भी नियमित डिग्री।

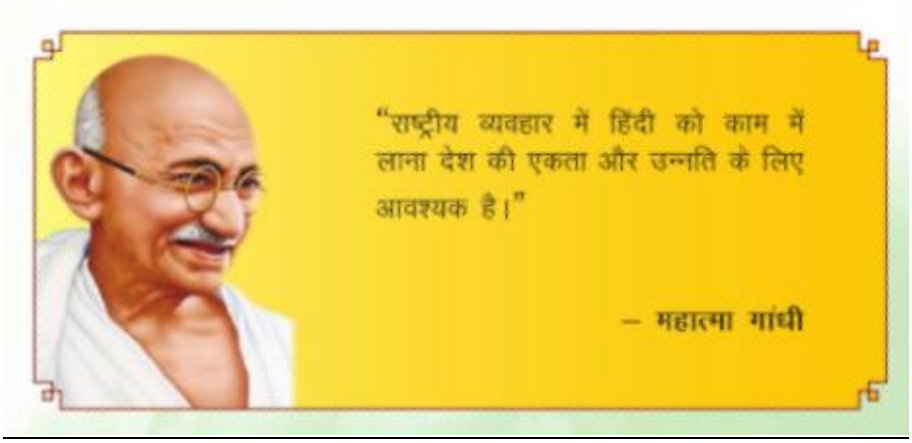
"राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।"
– महात्मा गांधी

सफलता की कहानियाँ

इस संस्थान के कुछ सफल प्रशिक्षणार्थी-

1.श्री मनिंदर सिंह बिष्ट (व्यवसायिक प्रशिक्षक)

श्री मनिंदर सिंह बिष्ट ने प्रतिनियुक्त उम्मीदवार के रूप में बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के बाद **2016** में इस संस्थान से व्यवसाय इलेक्ट्रीशियन और वायरमैन में सी.आई.टी.एस. की पढ़ाई पूरी की थी। ये वर्तमान में शासकीय आई.टी.आई.(बॉयज़), देहरादून में व्यवसायिक प्रशिक्षक (इलेक्ट्रीशियन) के रूप में कार्यरत हैं।

2.श्री रीगन कुमार (व्यवसायिक प्रशिक्षक)

श्री रीगन कुमार ने आई.टी. में बी.टेक के बाद **2019** में इस संस्थान से सी.आई.टी.एस.(सी.एस.ए.) पूरा किया था। वह वर्तमान में राष्ट्रीय कैरियर सेवा, रोजगार और श्रम महानिदेशालय, मुंबई में व्यवसायिक प्रशिक्षक (कम्प्यूटर अनुप्रयोग और कार्यालय प्रबंधन) के रूप में कार्यरत हैं।

3. श्री संजीव जोशी (व्यवसायिक प्रशिक्षक)

श्री संजीव जोशी ने सी.एस.ई. में बी.टेक के बाद 2019 में इस संस्थान से सी.आई.टी.एस. (सी.एच.एन.एम.) पूरा किया था। वह वर्तमान में नेशनल कैरियर सर्विसेज, रोजगार और श्रम महानिदेशालय, देहरादून में व्यावसायिक प्रशिक्षक (कम्प्यूटर संचालन और आई.टी. सक्षम सेवाएं) के रूप में कार्यरत हैं।

4.श्री दुर्गेश त्रिवेदी (व्यवसायिक प्रशिक्षक)

श्री दुर्गेश त्रिवेदी ने स्नातक बी.सी.ए. के बाद 2022 में इस संस्थान से सी.आई.टी.एस.(सी.एस.ए.) पूरा किया था। वह वर्तमान में नेशनल कैरियर सर्विसेज, रोजगार और श्रम महानिदेशालय, कोलकाता में व्यवसायिक प्रशिक्षक (कम्प्यूटर अनुप्रयोग) के रूप में कार्यरत हैं।

औद्योगिक संबद्धता

एन.एस.टी.आई. देहरादून ने **मेसर्स रेस्टीड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड** देहरादून के साथ, सोलर तकनीशियन (इलेक्ट्रिकल) सी.टी.एस. पाठ्यक्रम के डी.जी.टी., के अन्तर्गत ऑन जॉब प्रशिक्षण (ओ.जे.टी.) हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। फलस्वरूप सोलर तकनीशियन (इलेक्ट्रिकल) सी.टी.एस. पाठ्यक्रम के सभी प्रवेशित प्रशिक्षणार्थियों को ऑन जॉब प्रशिक्षण (ओ.जे.टी.) का लाभ प्राप्त हो पा रहा है।

डी.जी.टी. के साथ हस्तांक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार आई.बी.एम. द्वारा आई.टी., नेटवर्किंग और क्लाउड कंप्यूटिंग में उन्नत डिप्लोमा (व्यवसायिक) संचालित किया जा रहा है।

संस्थान गीत

हमारा है हमारा है हमारा है,
प्यारा यह एनएसटीआई हमारा है।
देहरादून की वादियों में स्थित है, द्रोणाचार्य की नगरी में अवस्थित है।
कौशल विकास के मार्ग पर, सन 82 से कौशल की धारा है।
हमारा है.....
ये हमारे कौशल की मशाल है, जो हमारे कर्म का आधार है।
व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए, देश में संस्थान हमारा न्यारा है।
हमारा है.....
केंद्र है यह अनुदेशक प्रशिक्षण का, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक का।
सीएसए सीएचएनएम भी है यहां, देश की आंखों का ये तारा है।
हमारा है.....
शिल्पकार प्रशिक्षण भी यहां होता है, सोलर इलेक्ट्रीशियन का ट्रेड है।
हरित ऊर्जा के विकास में, संस्थान हमारा एक उजियारा है।
हमारा है.....
उन्नत डिप्लोमा का भी ट्रेड है यहां, कंप्यूटर नेटवर्किंग जहां सिखाते हैं।
क्लाउड कंप्यूटिंग का जो कोर्स है, उद्योगों का जीवन संवारा है।
हमारा है.....

ज्योति शरण गांधी
प्रशिक्षण अधिकारी

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर

हिंदी मेरी शान है, हिंदी मेरी जान है।

हिंदी के जैसा नही कोई महान है।।

हिंदी मेरी बोली हिंदी मेरी समझ।

हिंदी से बना मेरा प्यारा हिंदुस्तान है।।

सहज हिंदी, सरल हिंदी, सुलभ हिंदी।

हिंदी की अलग ही पहचान है।।

जो समझ गये है हिंदी को,

जो डूब गये हो हिंदी में,

उनकी तो क्या ही बात है।

हिंदी उनके लिए ही तो वरदान है।।

हिंदी दिवस के शुभ-अवसर पर, सब ले लो यह प्रण,

हिंदी की अलख जलाएंगे पूरे विश्व में,

हिंदी की एक अलग – अनोखी पहचान बनाएंगे।।

आशीष पाठक
(अतिथि संकाय)

सर्दी

वीर तुम अड़े रहो।
रजाई में पड़े रहो।।
चाय का मजा मिले।
सिकी ब्रेड भी मिले ।।
मुंह कभी दिखे नहीं।
रजाई खिसके नहीं।।
मां की लताड़ हो।
या बाप की दहाड़ हो।।
तुम निडर डटो वहीं।
रजाई से उठो नहीं।।
वीर तुम अड़े रहो।
रजाई में पड़े रहो।।
मुंह गरजते रहे।
डंडे बरसते रहे।।
वो भी जो भड़क उठे।
बेलन ही खड़क उठे।।
दिन हो या रात हो।
संग कोई न साथ हो।।
रजाई में घुसे रहो।
तुम वही डटे रहो।।
हवा भी तेज आ रही।
धूप को डरा रही।।
तू धूप की न आस कर।
रजाई में निवास कर ।।
वीर तुम अड़े रहो।
रजाई में पड़े रहो।।

विपिन कुमार (ई.एम.)

मेरी बाते

ज़िन्दगी की यह कैसी परिभाषा है,
कुछ भी समझ नहीं आता है।
कभी लगता है की जो जी रहे है,
वो है ज़िन्दगी।।
कभी लगता है की जो अपने दोस्तों के साथ जिए,
वो है ज़िन्दगी।
कभी लगता है की ख्वाबों में जिए,
वो है ज़िन्दगी।।
कभी लगता है तन्हाइयों में अकेले रहकर जिए,
वो है ज़िन्दगी।
कभी खामोश होकर जिए तो लगा की,
वो है ज़िन्दगी।।
कभी खुद को परेशानियों और पाबंदियों में रहकर जिए तो लगा की,
वो है ज़िन्दगी।
कभी किसी की शर्तो में रहकर जिए तो लगा की,
वो है ज़िन्दगी।।
कभी कायदे कानून नियमो सांस्कृत्यों को अपना कर जिए तो लगा की,
वो है ज़िन्दगी।
असल में ज़िन्दगी वह है जिसे हम खुद अपने मन के मुताबिक जीते है,
वो है ज़िन्दगी।।

राहुल राय
(एडीआईटी आईबीएम)

जीवन का उद्देश्य

हमें पैसा नहीं, नाम कमाना है।
हमें किसी को रुलाना नहीं, हंसाना है।
हमें किसी को बहलाना नहीं, बनाना है।
हमें पैसा नहीं, नाम कमाना है।
हमें किसी को फसाना नहीं, आगे बढ़ाना है।
हमें दिखावे में नहीं, असलियत में जीना है।
हमें किसी जाति-धर्म में बंधना नहीं है।
हमें स्वतंत्र रहकर अपना कर्त्तव्य निभाना है।
हमें इंसान बनना है, हमें महान बनना है।
पैसा नहीं, नाम कमाना है।
हमें हमारा शौक नहीं, कर्त्तव्य पूरा करना है।
हमें हमारे अधिकार का सदुपयोग करना है।
हमें जीवन को सफल बनाना है।
पैसा नहीं, नाम कमाना है।
नहीं किसी से दोस्ती करनी है।
नहीं किसी से दुश्मनी।
हमें बस मानवता का स्वर्णिम रिश्ता बनाना है।
बस यहीं तमन्ना रख।
पैसा नहीं नाम कमाना है।।

आशीष पाठक
अतिथि संकाय

शीर्षक-रिश्ता निभाना चाहिये

सुर भले टूटे रहे पर गुनगुनाना चाहिये।

टूटे सपनों में नई आशा को जगाना चाहिये।।

जितनी ख़ुशी से दोस्ती उतनी गमों से यारियां।

हो भले संघर्ष जीवन में मुस्कुराना चाहिये।।

कांच से रिश्ते नहीं फिर टूटकर जुड़ पायेंगे।

यार रिश्तो को यूं नहीं आजमाना चाहिये।।

हमने उनके लिये ये सारी दुनिया छोड़ दी।

और वो कहते है, उनको ये जमाना चाहिये।।

शोहरतों ने तो सदा विश्वास का सौदा किया।

घर भले ही छोटा हो खुशियों का खजाना चाहिये।।

इस जहां की भीड़ में वो भी कहीं खो जायेगा।

है अगर अधिकार तो फिर हक़ जताना चाहिये।।

जब कोई विवेक से एहसास की गहराई तक जुड़ने लगे।

आखिरी हर सांस तक रिश्ता निभाना चाहिये।।

पूजा रानी
(इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक)

संघर्ष

कर संघर्ष मुश्किलों से,

कल आज से बेहतर बनाना है।

संघर्षो से क्या डरना,

जब मंजिल को पाना है।

क्यों सोचना क्या खोना क्या पाना?

एक वक्त आयेगा,

जब तुम चाँद बनकर चमकोगे।

अपना भविष्य इतना चमकदार बनाना है।

अगर आज मुश्किलों से डर गए,

तो बेकार जीवन बिताना है।

जीवन संघर्षो की कहानी है,

इस संघर्ष को ही तो इतिहास बनाना है।

हाथों की लकीरें क्या तय करेंगी?

किस्मत को तुझे खुद बनाना है।

कर संघर्ष मुश्किलों से,

कल आज से बेहतर बनाना है।

अनम निशा
(सी.एस.ए.)

क्लाउड कम्प्यूटिंग (Cloud Computing)

क्लाउड कम्प्यूटिंग एक ऐसी तकनीक है, जो हमें इंटरनेट पर आभासी संसाधनों को उपलब्ध कराती है। यहाँ आभासी संसाधनों से आशय है ऐसे संसाधन, जिनके लिए आपको अपने सिस्टम पर हार्ड ड्राइव की जरुरत नहीं होती है। यही क्लाउड कम्प्यूटिंग की विशेषता है।

एक प्रयोगकर्ता के तौर पर यह समझ सकते हैं कि क्लाउड कम्प्यूटिंग तकनीक में डेटा एक्सेस से लेकर डेटा स्टोर करने का सारा काम नेटवर्क पर ही होता है।

क्लाउड कम्प्यूटिंग सेवा का प्रयोग करते समय हमको ऐसा प्रतीत होता है जैसे क्लाउड कम्प्यूटिंग द्वारा उपलब्ध कराए गए प्लेटफार्म, सॉफ्टवेयर और खासकर कि हमारे उपयोग का डेटा हमारे कम्प्यूटर सिस्टम में ही स्थापित हो, जबकि वास्तव में यह सब उस कंपनी के सर्वर पर स्टोर होते हैं जो हमें क्लाउड कम्प्यूटिंग की सुविधा उपलब्ध करा रही होती है। कम्पनी के इस सर्वर को ही क्लाउड कहा जाता है।

क्लाउड कम्प्यूटिंग से आए महत्वपूर्ण परिवर्तन-

- इस सुविधा से सबसे बड़ा परिवर्तन अल्ट्राबुक नामक लैपटॉप के रूप में देखने में आया है, जिसमें हार्ड डिस्क नहीं होती थी। इस लैपटॉप में सी.डी/डी.वी.डी. राइटर की भी जरुरत नहीं थी क्योंकि डेटा को क्लाउड से एक्सेस करना होता है। 'इसकी वजह से बिजली की खपत में भी कमी आई और बैटरी की लाइफ को भी बढ़ाया जा सका।'
- क्लाउड कम्प्यूटिंग के उपयोग से उन कम्पनियों की तस्वीर बदल गयी, जो अपना सारा काम ऑनलाइन करती है। क्योंकि इसके उपयोग से उन्हें लम्बे-चौड़े आई.टी. विभाग बनाने से मुक्ति मिल गयी है, जिसकी वजह से उनके खर्चों में जबरदस्त कमी आई है।
- क्लाउड कम्प्यूटिंग के उपयोग से सॉफ्टवेयर बनाने वाली कम्पनियों को भी बहुत सुविधा हुई। इसे हम एक उदाहरण की मदद से समझ सकते हैं-

  जैसे कि यदि आप कोई सॉफ्टवेयर कंपनी चलाते हैं और आपका एक ऑफिस भारत में है, दूसरा ऑफिस किसी और देश में है तथा तीसरा किसी और देश में है।
- आपको अपनी कम्पनी के द्वारा बनाए गए सॉफ्टवेयर को विभिन्न प्रकार के ऑपरेटिंग सिस्टम और प्लेटफार्म पर टेस्ट करना है तो आप माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी की 'Microsoft & Azure' क्लाउड सेवा का उपयोग करके क्लाउड पर उपलब्ध वर्चुअल मशीन पर हर प्रकार के ऑपरेटिंग सिस्टम और एनवायरनमेंट में अपने सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग कर सकते हैं।

समस्या एवं समाधान:

- क्लाउड कम्प्यूटिंग के उपयोग में क्लाउड पर स्टोर डेटा की सिक्योरिटी की चिंता अक्सर प्रयोगकर्ता को सताती है।
- इसी वजह से कुछ लोग अभी इसको अपनाने में संकोच करते है, लेकिन इसके लिए समाधान भी उपलब्ध है।
- ये कंपनियाँ इन समस्याओं के समाधान हेतु नयी-नयी सिक्योरिटी अल्गोरिथम प्रयोग कर रही हैं।
- ऐसे हल खोजें और बनाए जा रहे हैं, जो डेटा में कोई भी हेर-फेर नज़र आने पर तत्काल जाँच करके उस परिवर्तन को नाकाम करेंगे और साथ ही कम्पनी को डेटा में हुई हेर-फेर व उसके संभावित कारणों के बारे में सूचना प्रदान कर देंगे।
- इसके अतिरिक्त, क्लाउड कम्प्यूटिंग सेवा उपलब्ध करने वाली कम्पनी आपके डेटा की कई प्रतियाँ बनाकर उन्हें अलग-अलग स्थानों पर मौजूद सर्वर पर रखती है, जिससे किसी संकट के समय एक सर्वर के खराब या बन्द हो जाने पर भी वह अपने ग्राहकों या कर्मचारियों को डेटा उपलब्ध करा सकें।

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल-

- केंद्र सरकार ने भी क्लाउड कम्प्यूटिंग के महत्व को समझते हुए प्रयोगकर्ताओं को ई-गवर्नेन्स सेवाएँ क्लाउड कम्प्यूटिंग के माध्यम से उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है।
- इसके लिए भारत सरकार के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'जी आई क्लाउड'(GI Cloud) आरम्भ किया है, जिसे 'मेघराज' नाम दिया गया है।
- 4 फरवरी, 2014 को केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री कपिल सिब्बल ने नई दिल्ली में मेघराज परियोजना के अंतर्गत 'राष्ट्रीय क्लाउड' का शुभारम्भ किया।
- इससे न केवल सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना का बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा, बल्कि ई-प्रशासन सेवाओं को भी तेजी से उपलब्ध कराया जा सकेगा।

निष्कर्ष- वर्तमान समय में क्लाउड कम्प्यूटिंग का उपयोग इसकी विशेषताओं के कारण सूचना तकनीक के क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और प्रयोगकर्ताओं के कार्यों को आसान बना रहा है। आने वाला समय क्लाउड कम्प्यूटिंग का है और क्लाउड कम्प्यूटिंग बेस्ट एप्लीकेशन की संख्या में भी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। क्लाउड कम्प्यूटिंग का उपयोग ई-लर्निंग के क्षेत्र में भी बढ़ता जा रहा है और विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक साबित हो रहा है।

सलोनी कश्यप
(सी.एच.एन.एम.)

आई.ओ.टी.

IOT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) ये बहुत ही एडवांस टेक्नोलॉजी है। सरल भाषा में IOT का अर्थ है दुनिया की सभी वस्तुओं को इंटरनेट से जोड़ना। इसके अन्तर्गत सामान्य घरेलू सामानों से लेकर जटिल औद्योगिक मशीनें तक शामिल है।

हमें आई.ओ.टी. क्यों चाहिए?

- आपके फिजिकल और मेन्टल हेल्थ के लिए बेस्ट पॉसिबल फीडबैक प्रदान करता है।
- रियल टाइम मॉनिटरिंग में बेस्ट पॉसिबल रिसोर्स लोकेशन प्रदान करता है।
- इसके साथ लोकल प्रोवाइडर्स को बेस्ट पॉसिबल कनेक्शन प्रदान करता है जिनमें ग्लोबल पोटेंशियल हो।

आई.ओ.टी. के मुख्य अवसर और लाभ क्या है ?

- आई.ओ.टी. हमें ऐसा अवसर प्रदान करता है जिससे हम ज्यादा कुशलता से काम कर सकते है।
- हमारे समय की बचत होती है एवं आर्थिक लाभ भी संभव है।
- आई.ओ.टी. हमारे दैनिक कार्यों समाधान करने में भी मदद करता है। जैसे- एक बिजी एरिया में कार पार्किंग के लिए स्पेस खोजना।
- वेबकेम से ये चेक करना हमें दूध चाहिए या नहीं।
- स्मार्ट डिवाइस, कनेक्ट होकर अलग-अलग आर्गेनाइजेशन को सिस्टम और प्रोसेस को एन्हैंस करने में मदद करते है जिससे समय की अधिक बचत होती है।

आई.ओ.टी. की मुख्य चुनौतियाँ क्या है?

- 7 बिलियन से भी ज्यादा डिवाइसेस अब भी सेफ नहीं है, इससे इस बात की गंभीरता का अनुमान लगा सकते है।
- सभी वस्तुएं इंटरनेट से कनेक्ट होने से डेटा हैक का खतरा बना रहता है। जिससे कई मुश्किलों का सामना करना भी पड़ सकता है।

उत्कर्ष मौर्य
(सी.एच.एन.एम.)

बिग डाटा

'बिग डाटा' दो शब्दों से मिलकर बना है। 'बिग' और 'डाटा'। 'बिग' का अर्थ है- विशाल और 'डाटा' का अर्थ है- सूचनाएँ। बिग डाटा आज की सबसे मूल्यवान तकनीक में से है, जिससे सभी छोटे-बड़े बिज़नेस के संचालन में बिग डेटा की मदद ली जा रही है। क्योंकि बिना डाटा के संचालन जटिल होता है। डाटा का उपयोग ग्राहकों की पसंद-नापसंद आदि से संबन्धित जानकारी जुटाने में किया जाता है। बिग डेटा से प्राप्त डेटा का उपयोग कस्टमर की पसंद-नापसंद जानने, उनके व्यव्हार को समझने, उत्पाद एवं सेवाओ में सुधार करने तथा ग्राहकों को अच्छी सर्विस देने में किया जाता है।

बिग डाटा के प्रकार:- वैसे तो डाटा कई प्रकार का होता है लेकिन मूल रूप से तीन श्रेणीयों में बॉटा गया है।

1-स्ट्रक्चर डाटा 2 - अन-स्ट्रक्चर डाटा 3 - सेमी-स्ट्रक्चर डाटा

स्ट्रक्चर डाटा:- जिस डेटा को एक प्रारूप में संग्रहित, संसाधित और एक्सेस किया जाता है, उसे स्ट्रक्चर डाटा कहते है। इसका इस्तेमाल मशीन लर्निंग और डाटा साइंस में भी किया जाता है। आज संचरित डाटा का निर्माण इतनी तेजी से हो रहा है कि यह जेटाबाइटस के निशान तक पहुँच गया है।

अन-स्ट्रक्चर डाटा:- इसका कोई भी प्रारूप या संरचना नहीं होती। इसलिए इसे प्रोसेस करना काफी कठिन है। यह फाइल्स का एक बड़ा समूह है। जिसमें कई फाईलें हो सकती है। जैसे-टेक्स्ट, इमेज, ऑडियो, वीडियो, सोशल मीडिया पोस्ट आदि। इस डाटा को हम सब और मशीन ही बनाते है।

सेमी-स्ट्रक्चर डाटा:- यह एक संचरित (स्ट्रक्चर डाटा) और असंचरित(अन-स्ट्रक्चर) डाटा का मिश्रण है। वेब एप्लीकेशन से आने वाला सेमी-स्ट्रक्चर डाटा का एक अच्छा उदाहरण है।

बिग डाटा के उपयोग:-

1- **फाइनेंस :-** इस सेक्टर में बैंको के साथ धोखाधड़ी का पता लगाने, जोखिम का आकलन करने, लोन, इंश्योरेंस, क्रेडिट स्कोर, ब्रोकेज सर्विस, ब्लॉक चैन टेक्नोलॉजी में बिग डाटा का प्रयोग किया जाता है।
2- **हेल्थकेयर:-** हेल्थकेयर सेक्टर में हॉस्पिटल, रीसर्चर और स्वाथ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में और दवाइयों की खोज करने में 'बिग डाटा' का उपयोग किया जाता है।
   जैसे- कैंसर और अल्जाइमर जैसी बीमारियों की दवाई बनाने में।
3- **मीडिया और इंटरनेट :-**
   आपको जानकारी अवश्य ही होगी कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म को इस्तेमाल करने से पहले आपको साइन - अप करना पड़ता है और अपना पर्सनल डाटा भी शेयर करना पड़ता है। असल में ये ऐप्स आपकी हर एक गतिविधि पर नज़र रखते है।
4- **एग्रीकल्चर :-**
   आजकल बीजों के उत्पादन से लेकर नई क़िस्मों के विकास, मृदा स्वास्थ्य, फसल चक्र, कीट प्रबंधन, वाटर साईकल, फर्टीलाइजर और क्लाइमेट चेंज जैसे अनेक कार्यो में 'बिग डाटा' का प्रयोग किया जा रहा है।

नोट:- आजकल दुनियाभर में भुखमरी और कुपोषण से लड़ने के लिए मुहिम चलाई जा रही है। इसमे 'ग्लोबल ओपन डाटा फोर एग्रीकल्चर एंड न्यूटीसन' जैसे समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। इस मुहिम में लोग अपना डाटा शेयर करते हैं।

बिग डाटा टेक्नोलॉजी:-बिग डाटा को मैनेज करना आसान नहीं होता। इसको मैनेज करने के लिए कई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे -

1- अपाचे हड़ोप:- यह सबसे प्रसिद्धि 'बिग डाटा' टूल है। अपाचे हडूप एक ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर फ्रेमवर्क है। जिसे अपाचे सॉफ्टवेयर फॉउंडेशन द्वारा बिग डाटा को स्टोर व प्रोसेस करने के लिए विकसित किया गया है। यह 'जावा लैंग्वेज' में लिखा जाता है।

नोट:- हड़ोप का उपयोग करने वाली कंपनियाँ, फेसबुक, लिंक्डइन, आई.बी.एम., मैपआर, इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट इत्यादि है।

2- मोंगो डी बी:- यह बिग डाटा के लिए सबसे लोकप्रिय डेटा बेस में से एक है। यह अन-स्ट्रक्चर, सेमी-स्ट्रक्चर डेटा को बदलने वाले डाटा को भी आसानी से मैनेज कर सकता है। मोंगो डी बी सॉफ्टवेयर, मीन स्टेक, नेट एप्लीकेशन और जावा आदि लैंग्वेज पर आसानी से एग्जीक्यूट हो जाता है और साथ ही क्लाउड में भी आसानी से संचालित हो जाता है।

नोट:- यह एड होक क्वारिज, इंडेक्सिंग, शेयरिंग और रेप्लीकेशन जैसी समस्याओं को हल करता है। फेसबुक, ई-वे, मेट लाइफ और गूगल जैसी कंपनी इसका उपयोग करती है।

बिग डाटा के फायदे :-

- इसके जरिये लोगो की पसंद-नापसंद जानते हैं।
- प्रोडक्ट्स की लागत में कमी लाने में।
- नव-विचारों को समझने में।
- बड़े व्यवसाय के साथ प्रतिस्पर्धा करने में।
- स्थानीय मार्केट प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति में।
- बिक्री और भरोसे को बनाने में।
- कंपनी के कर्मचारियों को नियुक्त करने में।
-

बिग डाटा के नुकसान :-

- बिग डाटा का विश्लेषण करना यूजर की गोपनीयता का उल्लंघन करता है।
- गलत कार्यो में प्रयोग किया जाता है।
- ट्रेडिशनल स्टोरेज में बिग डाटा स्टोर करना काफी खर्चीला है।
- समाजिक स्तरीकरण को बढ़ा सकता है।
- बिग डाटा का ज्यादातर हिस्सा अन-स्ट्रक्चर होता है।

बिग डाटा में करियर :-

अगर करियर के हिसाब से बिग डाटा एक ऐसा फील्ड है, जिसमें करियर की अपार संभावना नज़र आती है। क्योंकि यह एक फ्यूचरीस्टिक टेक्नोलॉजी है। इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए करियर के हिसाब से यह एक बढ़िया मौका है लेकिन इसके लिए आपके पास कुछ जरूरी कौशल होना चाहिए अगर आप बिग डाटा इंजीनियर बनना चाहते है तो-

- प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे-सी+, सी++, जावा, पायथन आदि की जानकारी होना बहुत ही आवश्यक है।
- ई.एल., ई.टी.एल. और डाटा वायरहॉउस जैसे- टलेंड, आई.वी.एम., इत्यादि इन सभी की जानकारी होना बहुत ही जरुरी है।

प्रिया कुशवाह
सी.एच.एन.एम.

"हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है।"
— मौलाना हसरत मोहानी

‘कोशिशों की धार’

सूखती इस गंगा में हमनें एक धारा निकाला है,

कोशिश ही सही पर,

हमनें इसे दुबारा निकाला है।

बंजर हो रही जमीन तो क्या हमें उसमें भी फावडा चलाना है,

इस बार पौधे नहीं आये तो क्या बीज दुबारा उगाना है।।

चाहे आये कितना भी ‘वैशाख’ तुम्हें उसमें भी फुहारा निकालना है,

कोशिश ही सही पर,

इसे तुम्हें दुबारा निकालना है।।

मुश्किलें, ताने, मायूसी, घबराहट, बैचेनी ये सब आयेंगी तेरे रास्ते,

पर इसमें ही तुम्हें हौसला संभालना है।।

कोशिश ही सही पर,

तुम्हें इसे दुबारा निकालना है।

और अगर अकाल से डरोगे तो बरसात कैसे देखोगे,

और अगर कोशिश ही नहीं की तो परिणाम कैसे देखोगे।।

रविकांत

(ई.एम.)

*****स्वप्न सभी के*****

अपने स्वप्न निराले होते हैं,

उठ जाग दिन, मतवाले होते हैं।

मन हमारा मस्त मगन है,

चिंता की कोई बात नहीं।

मां कहती है, उठ जा बेटा =२

स्वप्न को तू अपना लक्ष्य बना।

हर दिन, हर पल, स्वप्न तेरा जो,

उसको अपना साथ बना लो।

पिता कहते हैं लक्ष्य बड़ा लो,

उसको अपना स्वप्न बना लो।

स्वावलंबी तुम, आत्मनिर्भर तुम,

खुद को तुम परिपूर्ण बना लो।

बहन कहती हैं स्वप्न तेरा बड़ा बहुत है,

उसको जल्दी पा लेना।

घर की कस्ती डूब ना जाए,

उसको पार लगा देना।

माता-पिता के स्वप्नों को,

जल्दी साकार बना देना। =२

अजय कुमार
(इलेक्ट्रिशियन)

क्या ये सही है या वो गलत था?

क्या इन सैकड़ों की शोर बहुत है?

या वो अकेले पत्रों का शोर बहुत था।

क्या इन रातों की सन्नाटे सही है?

या रातो की बेचैनियाँ सही थी।

क्या ये गार्ड अंकल की सीटियां सही है?

या वह मां की थपकियाँ सही थी।

क्या ये अनुशासन सही है?

या वो आजादी सही थी।

क्या हमारी यह स्किल सही है?

या हमारी वो तैयारियाँ सही थी।

क्या भूख से दौड़ते हमारे ये कदम सही है?

या "जल्द आजा बेटा खाना तैयार है" वो पुकार सही थी।

क्या हमारे उस वक्त के उल्लास सही थे?

या अभी भी थकान बहुत है।

क्या हमारे ये आदर्श सही है?

या हमारे वो सवाल सही थे ।

साक्षी

(ई.एम.)

कम्प्यूटर नेटवर्क

कम्प्यूटर नेटवर्क के बारे में हम सब जानते हैं कि कम्प्यूटर नेटवर्क होता क्या है? कम्प्यूटर नेटवर्क हमारे लिए एक सुविधा है, जिसके द्वारा हम एक बड़ा नेटवर्क बना के अपने इलेक्ट्रॉनिक संदेशो को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पंहुचा सकते है। इंटरनेट कम्प्यूटर नेटवर्क का सबसे बड़ा उदाहरण है। क्या आप जानते है? इंटरनेट एक देश से दूसरे देश तक कैसा जुड़ा हुआ है? इंटरनेट समुद्र के रास्ते से आप तक पहुंचाया जाता है। लम्बी-लम्बी तारें महासागरों में बिछायी गई है। इन तारों को सबमरीन केबल कहा जाता है। सबमरीन केबल में ऑप्टिकल फाइबर केबल का इस्तेमाल किया जाता है। इंटरनेट के माध्यम से हम पूरी दुनिया को एक जगह से देख सकते है। ऐसा लगता है कि मानों सारी दुनिया इंटरनेट की मदद से हम सबके फ़ोन, लैपटॉप व कम्प्यूटर में बसी है। हमें ऐसा वहम रहता है कि इंटरनेट हम सब तक आसमान व बादलो के जरिये पहुंच रहा है। लेकिन ऐसा बिलकुल भी नहीं है। समुद्र और महासागर में लम्बी-लम्बी केबल तार बिछायी गई है, जिसके कारण हम इंटरनेट की सुविधा का आनन्द ले सकते है। यह तार बाल से भी ज्यादा बारीक़ होती हैं। इंटरनेट छोटे-छोटे कोड का समूह होता है, जो इस तार की सहायता से एक देश से दूसरे देश पहुँचता है। इस तार की लम्बाई लगभग बारह लाख सात हजार किलोमीटर है।

आप-हम तक इंटरनेट कैसे पहुँचता है-

इन तारों को फैक्ट्रियों में इकठ्ठा किया जाता है और फिर यह विचार-विमर्श किया जाता है, कि इन तारों को कहाँ-कहाँ बिछाना है? इस बात का ख़ास ख्याल रखा जाता है, कि इन तारों को बिछाने के लिए कोई विशेष रास्ता या जगह बनाई जाए, साथ ही प्लास्टिक या स्टील से इन तारों को ढका जाए। समुद्र में यह केबल तार बिछाने के बाद डाटा-प्रकाश की गति को इन तारों के बीच से गुजारा जाता है। यह तार जमीन पर स्थित नेटवर्क या सैटेलाइट से संपर्क बनाती है। सैटेलाइट के जरिए बड़ी-बड़ी नेटवर्क कम्पनियाँ इस नेटवर्क की सुविधा को पहचानते है। हम इस सुविधा का आनन्द कई दूरसंचार कम्पनी द्वारा उठा सकते है, जैसे- बी.एस.एन.एल., एयरटेल, जियो आदि। इन कम्पनियों से हम अपनी आवश्यकता के अनुसार डाटा प्राप्त कर इंटरनेट का आनन्द उठाते हैं।

क्या आप जानते है?, यह तार सबसे पहले कहाँ बिछाई गई थी?

यह तार पहली बार अटलांटिक महासागर में सन 1858 में बिछाई गई थीं। इन तारों की मदद से अमेरिका व ब्रिटेन को इंटरनेट से जोड़ा गया था। उस समय महज 16 घण्टे में इन तारों के माध्यम से हम डाटा को संचारित कर सकते थे। लेकिन कई दशकों के बाद इस तकनीकी का विकास किया गया और सैटेलाइट व वायरलेस (वाई-फाई) की मदद से अब महज एक सेकंड से भी कम समय में डाटा को संचारित किया जा सकता है। एक आंकड़े के मुताबिक मौजूदा समय में पूरी दुनिया में लगभग 426 सबमरीन केबल सर्विस जारी है। कई बड़ी-बड़ी कम्पनियों को सबमरीन केबल बिछाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया जाता है जैसे कि गूगल, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट आदि।

जैसा हम जानतें है कि टेलीकॉम कम्पनियाँ भी इस ग्रुप में शामिल होती है। सबमरीन केबल का नेटवर्क बहुत ज्यादा तेज होता है आइये जानते है कि यह **केबल** कितनी गहराई में बिछाये जाते है:-

8848 मीटर गहराई से भी अधिक नीचे यह के **केबल** बिछाये जाते है। हम एक दिन में केवल 100-200 किलोमीटर **केबल** को ही बिछा सकते है। इन केबल्स की चौड़ाई 17 mm के लगभग होती है। केबल-लेयर्स के जरिये इन केबल्स को समुद्र में बिछाया जाता है।

आखिर क्या होगा जब किसी वजह से केबल कट जाए? क्या हमारा सम्पर्क दुनिया से टूट जाएगा? क्या समुद्र या महासागरों में रहने वाले जीवों को भी इन केबल्स से खतरा हो सकता है? आइये जानते हैं इन सवालों के बारे में:-

इन तारों/केबल से समुद्री जीवों पर थोड़ा खतरा होता है लेकिन इनका उपाय भी किया गया है इन केबल को समुद्र में हाई-प्रेशर वाट जेट तकनीक के जरिए समुद्र की सतह के अन्दर स्थापित कर दिया गया है। ताकि इन केबल्स या तारों से किसी भी जीव को कोई नुकसान न पहुंच पाए। कई बार कुछ शार्क द्वारा इन **केबल** को काटा भी गया लेकिन शार्क से इन केबल को बचाने के लिए शार्क-प्रूफ वायर रैपर लगाने की शुरुआत कर दी गई। आपको बता दें कि ऐसा नहीं है की केबल को काट देने के बाद हमारा संपर्क टूट जाएगा। बहुत सी कम्पनियों के पास दूसरी केबल की भी व्यवस्था रहती है। कुछ केबल के काटने से इंटरनेट की स्पीड पर तो असर पड़ता है।

कुछ साइक्लोन आदि के कारण भी इन केबल को नुक्सान पहुँचता है। जिनके कारण कुछ कम्पनियों की नेटवर्क स्पीड तमिलनाडु में कुछ साल पहले साइक्लोन के कारण देश के कुछ हिस्सों में कुछ नेटवर्क कम्पनी की स्पीड पर असर पड़ा था। केबल कहाँ से खराब है इसका पता लगाने के लिए रोबोट्स की सहायता लेनी पड़ती है। इन्हीं सबमरीन केबल के कारण हमारा नेटवर्क दिन-प्रतिदिन प्रगति की राह पर है।

गतिविधियाँ

संस्थान झाँकी(मॉडल)

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून की त्रिविमीय संरचना का निर्माण इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक(सी.आई.टी.एस.) सत्र 2022-23 के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा श्री मनीष ममगाई, प्रशिक्षण अधिकारी एवं श्री सभाजीत सिंह यादव, कनिष्ठ सलाहकार के नेतृत्व में किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून की निर्माणाधीन त्रिविमीय संरचना का निरीक्षण श्री गजेन्द्र कोली, सहायक निदेशक आर.डी.एस.डी.ई. उत्तराखंड द्वारा 23 जून 2023 में किया।

वृक्षारोपण

श्री अतुल कुमार तिवारी, (आई.ए.एस.) सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्था का निरीक्षण किया गया एवं परिसर में 20 अप्रैल 2023 को वृक्षारोपण किया।

श्री अतुल कुमार तिवारी, आई.ए.एस.
सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय
भारत सरकार।

श्रीमती त्रिशलजीत सेठी, अपर सचिव/महानिदेशक, प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्था का निरीक्षण किया गया एवं परिसर में 27 अक्टूबर 2022 को वृक्षारोपण किया गया।

जी20 अभियान के अन्तर्गत संस्था परिसर में श्री जी.पी. चौरसिया, प्राचार्य के नेतृत्व में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

G20-अभियान के अन्तर्गत संस्था परिसर में श्री आर.पी.आर्य, प्रशिक्षण अधिकारी के नेतृत्व में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

जी20 अभियान के अन्तर्गत संस्था परिसर में श्री नरेश कुमार, प्रशिक्षण अधिकारी के नेतृत्व में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

"हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्त्रोत है।"

– सुमित्रानंदन पंत

हिंदी पखवाड़ा

हिंदी पखवाड़ा 14 सितम्बर से 28 सितम्बर 2022 के अन्तर्गत संस्थान में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून में डॉ. सुपर्णा एस. पचौरी, सयुंक्त सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 14 मई 2023 को किया गया।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून में डॉ. सुपर्णा एस. पचौरी, सयुंक्त सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 14 मई 2023 को किया गया।

हिंदी का उद्देश्य यही है, भारत एक रहे अविभाज्य,
यों तो रूस और अमरीका, जितना है उसका जन राज्य।
बिना राष्ट्रभाषा स्वराष्ट्र की, गिरा आप गूंगी असमर्थ,
एक भारती बिना हमारी भारतीयता का क्या अर्थ।

– राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त

स्वच्छ भारत अभियान

जी20 मिशन के अन्तर्गत संस्था परिसर में श्री ज्ञान प्रकाश चौरसिया, प्राचार्य के नेतृत्व में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्वच्छ भारत अभियानका आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय मेल और राजनीतिक एकता के लिए सारे देश में हिंदी और नागरी का प्रचार आवश्यक है।

— लाला लाजपत राय

प्रशिक्षणार्थी स्वच्छ भारत अभियान में हिस्सा लेते हुये।

प्रशिक्षणार्थी स्वच्छ भारत अभियान में हिस्सा लेते हुये।

"भारतीय भाषाएँ नदियां हैं और हिंदी महानदी।"

– रवीन्द्रनाथ ठाकुर

योग दिवस

जी20 मिशन के अन्तर्गत संस्थान में श्री ज्योति शरण गांधी, प्रशिक्षण अधिकारी के नेतृत्व में योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थियों द्वारा योगासन किए गए।

योगासन में प्रशिक्षणार्थी।

योगासन में प्रशिक्षणार्थी

महिंद्रा ग्रुप द्वारा व्यक्तित्व निर्माण कार्यक्रम

निदेशक महोदय द्वारा विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया।

हिंदी अब सारे देश की राष्ट्रभाषा हो गई है। उस भाषा का अध्ययन करने और उसकी उन्नति करने में गर्व का अनुभव होना चाहिए।

राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की सम्पत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।

– सरदार वल्लभभाई पटेल

खेल

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून एवं तिबेतन प्राइवेट आई.टी.आई. सेलाकुई के मध्य पुरुष वॉलीबॉल सद्भावना प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून में मई 2023 में किया गया।

महिला बैडमिंटन

संस्थान मे महिला प्रशिक्षणार्थियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया जाता है।

पुरुष बैडमिंटन

पुरुष बैडमिंटन सेमीफाइनल मैच विद्युतकार बनाम इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक के मध्य आयोजित किया गया।

पुरुष वॉलीबॉल

पुरुष वॉलीबॉल राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून एवं तिबेतन प्राइवेट आई.टी.आई. सेलाकुई के मध्य फाइनल मैच का आयोजन किया गया।

महिला कबड्डी

महिला कबड्डी फाइनल मैच सी.एस.ए. बनाम इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक के मध्य आयोजित किया गया।

रंगोली प्रतियोगिता

संस्थान मे रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय संस्कृति, स्वतन्त्रता, संघर्ष एवं नायक विषय के साथ आयोजित की गई।

जी20 मिशन के अन्तर्गत संस्थान में श्रीमती मुक्ति बाला, छात्रावास अधीक्षक, एवं श्रीमती सुनीता देवी, अवर श्रेणी लिपिक के नेतृत्व में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

"देवनागरी ध्वनिशास्त्र की दृष्टि से अत्यंत वैज्ञानिक लिपि है।"

– रविशंकर शुक्ल

"वही भाषा जीवित और जागृत रह सकती है जो जनता का ठीक–ठीक प्रतिनिधित्व कर सके और हिंदी इसमें समर्थ है।"

– पीर मुहम्मद मूनिस

उद्यमिता विकास कार्यक्रम

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून निसबड़ देहरादून द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

निसबड़ देहरादून द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम।

निसबड़ देहरादून द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम।

निसबड़ देहरादून द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम में निदेशक महोदय द्वारा प्रमाण पत्र वितरण।

औदद्योगिक दौरा

1.प्रसार भारती देहरादून

इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक सी.आई.टी.एस. सत्र 2022-23 के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रसार भारती (दूरदर्शन) देहरादून का दौरा प्रशिक्षण अधिकारी श्री मनीष ममगाई, प्र.अ. के नेतृत्व जून 2023 में किया गया।

इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक सी.आई.टी.एस. सत्र 2022-23 के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रसार भारती (दूरदर्शन) देहरादून में ओरिएंटेशन कार्यक्रम।

इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक सी.आई.टी.एस. सत्र 2022-23 के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रसार भारती (दूरदर्शन) देहरादून के स्टाफ के साथ समूह फोटो।

2. प्रसार भारती देहरादून

कंप्यूटर हार्डवेयर एण्ड नेटवर्क मेंटीनेंस सी.आई.टी.एस. सत्र 2022-23 के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रसार भारती दौरा प्रशिक्षण अधिकारी सुश्री रंजिनी कुमार के नेतृत्व में जून 2023 मे किया गया।

प्रसार भारती देहरादून स्टाफ द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का प्रसार भर्ती से परिचय

प्रसार भारती दूरदर्शन, देहरादून में भ्रमण के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों का समूह फोटो।

"हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।"

– स्वामी दयानंद

3.कौंपेक प्राइवेट इण्डिया लिमिटेड

इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक सी.आई.टी.एस. सत्र 2022-23 के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा कौंपेक प्राइवेट इण्डिया लिमिटेड मोहाली का दौरा प्रशिक्षण अधिकारी श्री मनीष ममगाई के नेतृत्व जुलाई 2023 में किया गया।

कौंपेक प्राइवेट इण्डिया लिमिटेड मोहाली के लिए प्रस्थान के समय का समूह फोटो।

कौंपेक प्राइवेट इण्डिया लिमिटेड मोहाली दौरे के समय का समूह फोटो।

कौंपेक प्राइवेट इण्डिया लिमिटेड मोहाली स्टाफ द्वारा मोटर वायंडिंग का प्रशिक्षणार्थियों को प्रदर्शन।

कौंपेक प्राइवेट इण्डिया लिमिटेड मोहाली स्टाफ द्वारा प्रस्तुतीकरण।

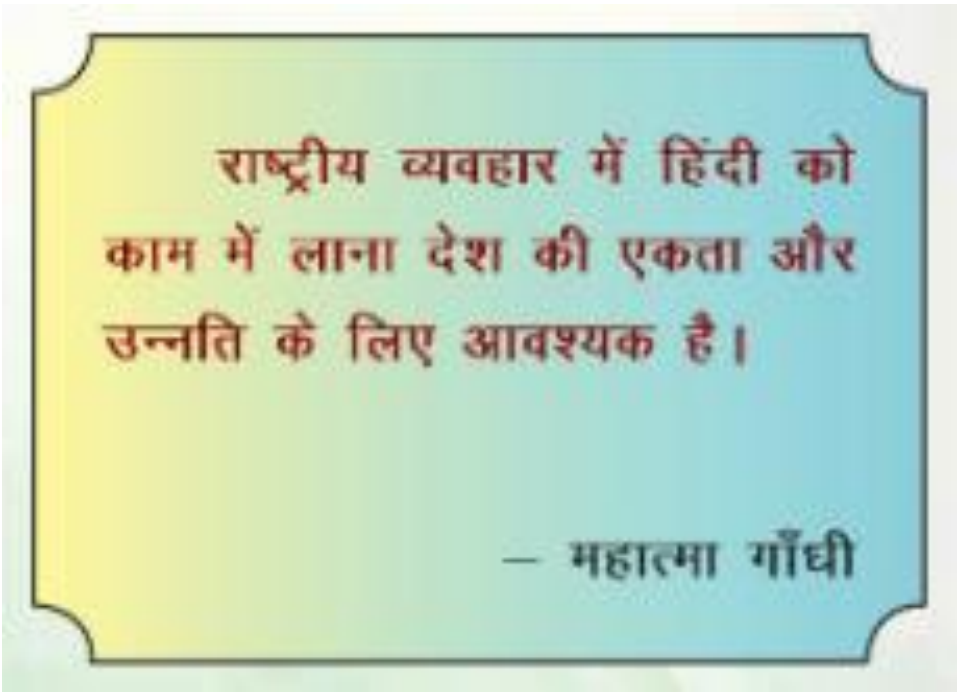

प्लेसमेंट ड्राइव

संस्थान मे प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षार्थियों के प्रशिक्षण अवधि के अंत में ही रोजगार उपलब्ध कराने हेतु संस्थान द्वारा विभिन्न निजी औद्योगिक संस्थाओं एवं कंपनियों को कैंपस प्लेसमेंट हेतु प्रतिवर्ष आमंत्रित किया जाता है। इस हेतु संस्थान मे एक प्रशिक्षण प्लेसमेंट कोष्ठ (टी.पी.सी.) समिति का गठन किया गया है।

इन्दिरा मेमोरियल एजुकेशन सोसाइटी समूह द्वारा व्यवसाय विद्युतकार, सी.एस.ए. एवं सी.एच.एन.एम. के प्रशिक्षणार्थियों हेतु प्लेसमेंट ड्राइव सत्र 2022-23 के लिए जुलाई 2023 मे आयोजित की गई जिसमे 04 प्रशिक्षणार्थियों का चयन हुआ।

डिजायर समूह द्वारा व्यवसाय विद्युतकार, सी.एस.ए., सी.एच.एन.एम. एवं इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक के प्रशिक्षणार्थियों हेतु प्लेसमेंट ड्राइव सत्र 2022-23 के लिए जुलाई 2023 मे आयोजित की गई जिसमे 10 प्रशिक्षणार्थियों का चयन हुआ।

डिजायर समूह द्वारा व्यवसाय विद्युतकार, सी.एस.ए., सी.एच.एन.एम. एवं इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक के प्रशिक्षणार्थियों हेतु प्लेसमेंट ड्राइव सत्र 2022-23 के लिए जुलाई 2023 मे आयोजित की गई जिसमे 10 प्रशिक्षणार्थियों का चयन हुआ।

राधा गोविंद प्राइवेट आई.टी.आई. मेरठ डिजायर समूह द्वारा व्यवसाय विद्युतकार, के प्रशिक्षणार्थियों हेतु प्लेसमेंट ड्राइव सत्र 2022-23 के लिए जुलाई 2023 मे आयोजित की गई जिसमे 10 प्रशिक्षणार्थियों का चयन हुआ।

"हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेद–भाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।"

– पंडित मदनमोहन मालवीय

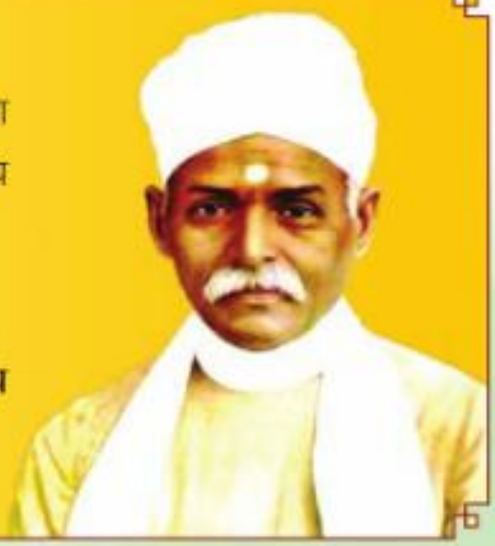

हिंदी से किसी भी भारतीय भाषा को भय नहीं है, यह सबकी सहोदरा है।

– महादेवी वर्मा

संस्था के सभागार कक्ष में रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार अन्तर्गत भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग से मेजर जनरल श्री शरद कुमार, महा निदेशक पुनर्वास का परिचय कार्यक्रम निस्बड द्वारा दिनांक 19.09.2023 को आयोजित किया गया।

Interaction of Chief Guest
Major Gen. Shri Sharad Kapur,

Shri Sharad Kapur,
te General of Resettlement
Govt. Of India
Major Gen. Shri Sharad Kapur,

संस्था में हिंदी पखवाड़े के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन आयोजन दिनांक 14.09.2023 से 26.09.2023 तक किया गया।

हिंदी टिप्पणी प्रतियोगिता वर्ग 'क' और 'ख' के लिए आयोजन दिनांक 18.09.2023 को आयोजित की गई।

निबंध प्रतियोगिता वर्ग 'क' और 'ख' के लिए आयोजन दिनांक 21.09.2023 को आयोजित की गई।

हिंदी टिप्पणी प्रतियोगिता वर्ग 'ग' और 'संविदा कर्मचारियों' के लिए, आयोजन दिनांक 19.09.2023 को आयोजित की गई।

प्रपत्र भरना/पत्र लेखन प्रतियोगिता वर्ग 'ग' और 'संविदा कर्मचारियों' के लिए, आयोजन दिनांक 20.09.2023 को आयोजित की गई।

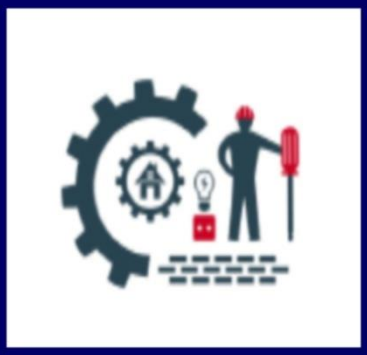

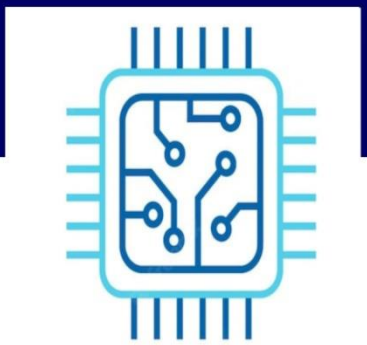

वसुधैव कुटुम्बकम्